प्रयोगवाद की विशेषताएं:

1. अहंवादी व्यक्तिवाद
2. यौन भावनाओं की अभिव्यक्ति
3. बौद्धिकता का आग्रह
4. विद्रोह का स्वर
5. अति यथार्थवादी
6. सामाजिक विषमता के प्रति व्यंग्य
7. नवीनता का आग्रह
8. निराशावादी
9. सामान्य विषयों का महत्त्व
10. नई भाषा शैली का प्रयोग
11. मुक्तक शैली का प्रयोग ।

प्रयोगवाद के प्रमुख कवि और रचनाएं :

1. अज्ञेय : चिंता , हरी घास पर क्षण पर , बावरा अहेरी , कितनी नावों में कितनी बार , क्योंकि में उसे जानता हूँ ।
2. भारत भूषण अग्रवाल : छवि के बंधन , एक उठा हुआ हाथ , कागज के फूल , मुक्ति मार्ग ।
3. गजानन माधव मुक्तिबोध : चाँद का मुंह टेढ़ा है , भूरी-भूरी खाक धूल ।
4. प्रभाकर माचवे : स्वप्न-भंग , अनुक्षण , मेपल
5. गिरिजाकुमार माथुर : नाश और निर्माण , जो बंध नहीं सका , धूप के धान , भीतरी नदी की यात्रा ।
6. नेमिचन्द्र जैन : रंगदर्शन , रंग परंपरा , दृश्य-अदृश्य
7. रामविलास शर्मा : रूप-तरंग

8. राजेंद्र यादव : प्रेत बोलते है , उखड़े हुए लोग , शह और मात ।